



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 575]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 22, 2013/अग्रहायण 1, 1935

No. 575]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 22, 2013/AGRAHAYANA 1, 1935

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 नवम्बर, 2013

सं. 14/2013-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै.)

सा.का.नि. 748(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मूल्यांकन (उत्पाद शुल्क योग्य वस्तुओं की कीमत का निर्धारण) नियमावली, 2000 में और संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मूल्यांकन (उत्पाद शुल्क योग्य वस्तुओं की कीमत का निर्धारण) संशोधन नियमावली, 2013 है।

(2) ये एक दिसम्बर, 2013 से लागू होंगे।

2. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मूल्यांकन (उत्पाद शुल्क योग्य वस्तुओं की कीमत का निर्धारण) नियमावली, 2000 (जिसे यहां उपर्युक्त नियमों के रूप में संदर्भित किया गया है) में नियम 8 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

“8. जहां उत्पाद शुल्क योग्य वस्तुओं के संपूर्ण अथवा कुछ हिस्से की, निर्धारिती द्वारा बिक्री नहीं की जाती है अपितु इसका, अन्य मदों के उत्पाद अथवा निर्माण के लिए उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से उपभोग के लिए, प्रयोग किया जाता है तो ऐसी वस्तुएं जिनका उपभोग किया जाता है, की कीमत, ऐसी वस्तुओं के उत्पादन अथवा निर्माण की लागत का एक सौ दस प्रतिशत होगी”।

3. उपर्युक्त नियमों के नियम 9 में “जहां कहीं निर्धारिती इस प्रकार की व्यवस्था करता है कि निर्धारिती द्वारा उत्पाद शुल्क योग्य वस्तुओं को ऐसे व्यक्ति को अथवा ऐसे व्यक्ति के माध्यम, जो इस अधिनियम की धारा 4 की उप-धारा (3) के खंड के किसी भी उप-खंड (ii), (iii), अथवा (iv) में विनिर्दिष्ट किसी भी तरीके से सम्बद्ध है के सिवाय किसी और को नहीं बेचा जाता है तो ऐसी वस्तुओं की कीमत सामान्य लेन-देन कीमत होगी।” शब्दों के स्थान पर “जहां उत्पाद शुल्क वस्तुओं का संपूर्ण अथवा कुछ हिस्सा, निर्धारिती द्वारा व्यक्ति को अथवा ऐसे व्यक्ति के माध्यम से बेचा जाता है जो इस अधिनियम की धारा 4 की उप-धारा (3) के खंड (ख) के किसी भी उप-खंड (ii) (iii) अथवा (iv) में विनिर्दिष्ट किसी भी तरीके से सम्बद्ध है, तो ऐसी वस्तुओं की कीमत, सामान्य लेन-देन कीमत होगी” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

4. उपर्युक्त नियमों में, नियम 10 में “जहां कहीं निर्धारिती यह व्यवस्था करता है कि उत्पाद शुल्क योग्य वस्तुएं निर्धारिती द्वारा, किसी अंतः सम्बद्ध उपक्रम को अथवा उस उपक्रम के माध्यम से किसी अन्य को बेचे जाने के सिवाय किसी और को नहीं बेची जाती है तो ऐसी वस्तुओं की कीमत का निर्धारण निम्नलिखित तरीके से किया जाएगा, अर्थात्:— ” शब्दों के स्थान पर “जहां उत्पाद शुल्क योग्य वस्तुओं का संपूर्ण अथवा कुछ हिस्सा, निर्धारिती द्वारा किसी अंतः सम्बद्ध उपक्रम को अथवा उस उपक्रम के माध्यम से बेचा जाता है तो ऐसी वस्तुओं की कीमत का निर्धारण निम्नलिखित तरीके से किया जाएगा, अर्थात्:— ” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[फा. सं. 6/12/2009-सी एक्स-1]

पंकज जैन, अवर सचिव

टिप्पणी :—मूल नियम अधिसूचना सं. 45/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टे.) के अन्तर्गत दिनांक 30 जून, 2000 को भारत के राजपत्र असाधारण के भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) में सा.का.नि. सं. 575(अ)के अंतर्गत प्रकाशित किए गए थे और अंत में दिनांक 01 मार्च, 2007 की अधिसूचना सं. 9/2007-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टे.) सा.का.नि. 149(अ), के अंतर्गत संशोधित किए गए थे।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd November, 2013

No. 14/2013 – Central Excise (N.T.)

G.S.R. 748(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules to further amend the Central Excise Valuation (Determination of Price of Excisable Goods) Rules, 2000, namely :—

1 (1) These rules may be called the Central Excise Valuation (Determination of Price of Excisable Goods) Amendment Rules, 2013.

(2) They shall come into force with effect from the 1st day of December, 2013.

2. In the Central Excise Valuation (Determination of Price of Excisable Goods) Rules, 2000 (hereinafter referred to as the said rules), for rule 8, the following rule shall be substituted, namely:—

“8. Where whole or part of the excisable goods are not sold by the assessee but are used for consumption by him or on his behalf in the production or manufacture of other articles, the value of such goods that are consumed shall be one hundred and ten per cent of the cost of production or manufacture of such goods.”

3. In the said rules, in rule 9, for the words "When the assessee so arranges that the excisable goods are not sold by an assessee except to or through a person who is related in the manner specified in any of the sub-clauses (ii), (iii) or (iv) of clause (b) of sub-section (3) of Section 4 of the Act, the value of the goods shall be the normal transaction value", the words "Where whole or part of the excisable goods are sold by the assessee to or through a person who is related in the manner specified in any of the sub-clauses (ii), (iii) or (iv) of clause (b) of sub-section (3) of Section 4 of the Act, the value of such goods shall be the normal transaction value" shall be substituted.

4. In the said rules, in rule 10, for the words "When the assessee so arranges that the excisable goods are not sold by him except to or through an inter-connected undertaking, the value of goods shall be determined in the following manner, namely:- " the words "Where whole or part of the excisable goods are sold by the assessee to or through an inter-connected undertaking, the value of such goods shall be determined in the following manner, namely:- " shall be substituted.

[F. No. 6/12/2009-CX-1]

PANKAJ JAIN, Under Secy.

Note - The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, section 3, sub-section (i) *vide* notification No. 45/2000-Central Excise (N.T.), G.S.R. 575(E), dated the 30th June, 2000 and was last amended *vide* notification No. 9/2007-C.E. (N.T.), G.S.R 149(E), dated the 1st March, 2007.